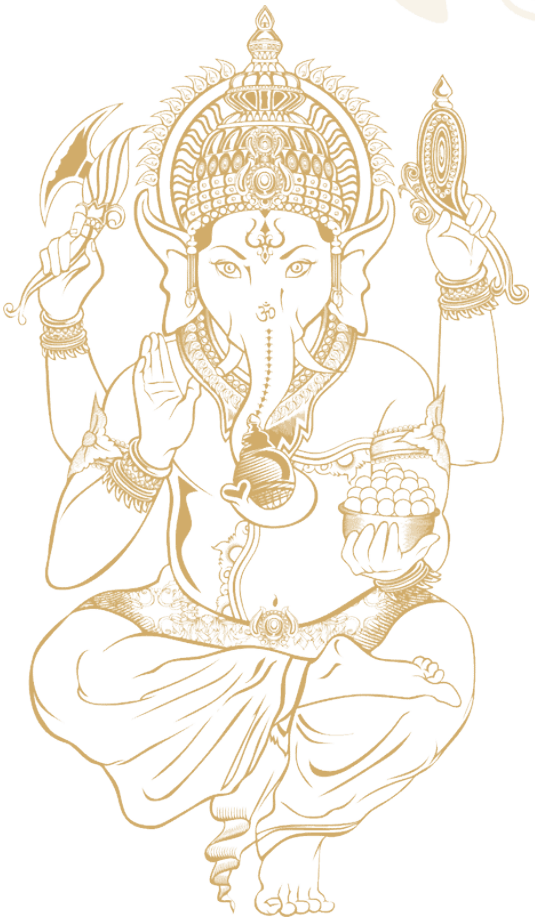

Male Puja

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121010001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121010001 Date: 22/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/09/1995	जन्म तिथि	8-09/10/1997
बुधवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 14:58:00	जन्म समय	04:10:00 घंटे
घटी 24:22:21	जन्म समय(घटी)	57:08:57 घटी
India	देश	India
Tejpur	स्थान	Hazaribagh
26:37:00 उत्तर	अक्षांश	24:00:00 उत्तर
92:50:00 पूर्व	रेखांश	85:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:41:20	स्थानिक संस्कार	00:11:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:13:03	सूर्योदय	05:43:04
17:11:22	सूर्यास्त	17:28:45
23:47:59	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:29

मकर	लग्न	सिंह
शनि	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
तुला	राशि	धनु
शुक्र	राशि-स्वामी	गुरु
स्वाति	नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
राहु	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
3	चरण	1
वैधृति	योग	शोभन
गर	करण	वणिज
रो-रोहित	जन्म नामाक्षर	भू-भूमिका
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	मानव
महिष	योनि	वानर
देव	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 7वर्ष 6मा 6दि		26:50:10	मक	लग्न	सिंह	29:45:46	शुक्र 17वर्ष 10मा 6दि	
शनि		10:00:31	कन्या	सूर्य	कन्या	21:51:27	चन्द्र	
04/04/2019		14:25:50	तुला	चंद्र	धनु	14:45:55	16/08/2021	
04/04/2038		19:44:28	तुला	मंगल	वृश्चि	13:14:22	16/08/2031	
शनि	07/04/2022	24:55:18	कन्या व	बुध	कन्या	18:10:11	चन्द्र	16/06/2022
बुध	15/12/2024	16:06:56	वृश्चि	गुरु	मक	18:16:07	मंगल	15/01/2023
केतु	24/01/2026	20:06:39	कन्या	शुक्र	वृश्चि	06:50:18	राहु	16/07/2024
शुक्र	26/03/2029	26:34:07	कुंभ व	शनि व	मीन	23:10:51	गुरु	15/11/2025
सूर्य	08/03/2030	02:45:26	तुला	राहु व	सिंह	25:36:10	शनि	16/06/2027
चन्द्र	07/10/2031	02:45:26	मेष	केतु व	कुंभ	25:36:10	बुध	15/11/2028
मंगल	15/11/2032	02:45:40	मक व	हर्ष व	मक	10:55:28	केतु	16/06/2029
राहु	22/09/2035	28:59:28	धनु व	नेप व	मक	03:21:20	शुक्र	15/02/2031
गुरु	04/04/2038	04:41:42	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:51:49	सूर्य	16/08/2031

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:59 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:29

लग्न-चलित

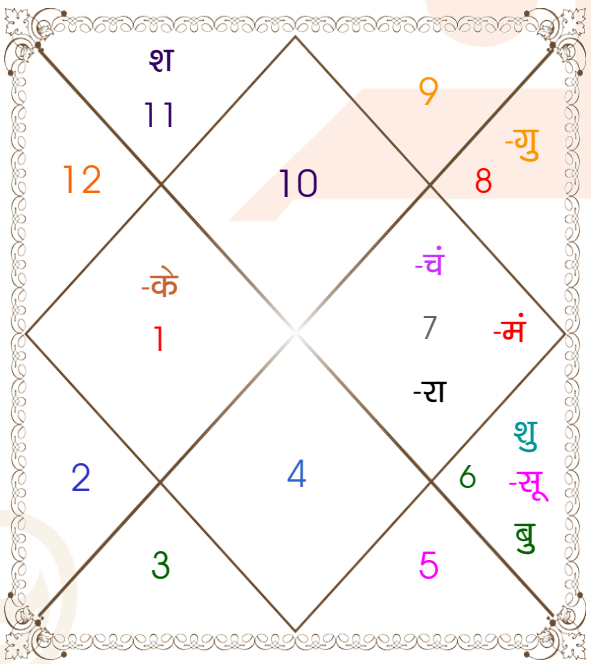

लग्न-चलित

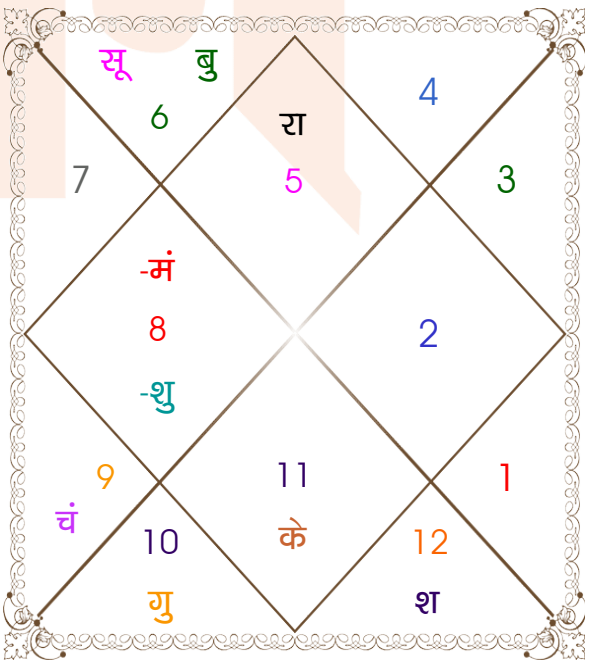

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

कुल : **27 / 36**

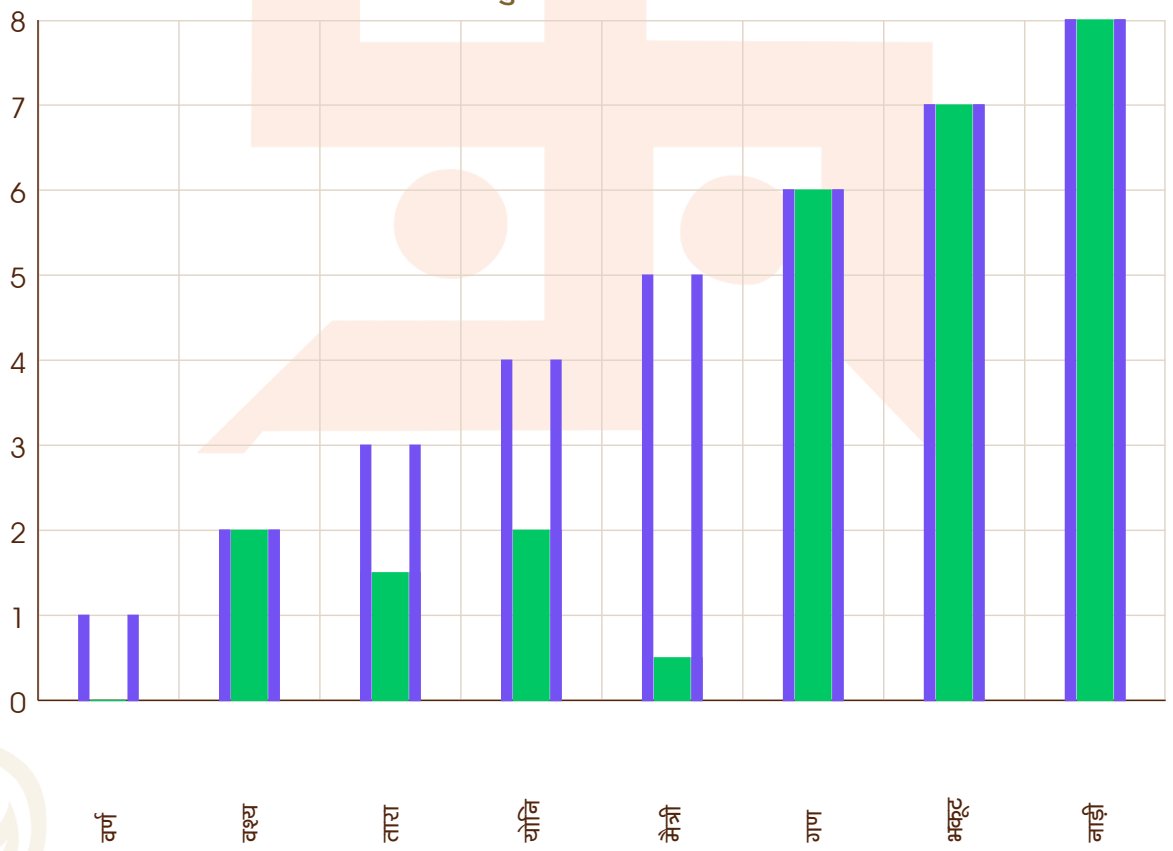

अष्टकूट मिलान

Male का वर्ग मृग है तथा Puja का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Male और Puja का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Male मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Puja मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Puja कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्ष्;थ्डम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल Puja कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Male तथा Puja में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Male का वर्ण शूद्र है तथा Puja का वर्ण क्षत्रिय है। इसमें Puja का वर्ण Male के वर्ण से नीचा नहीं है अतः यह मिलान उत्तम मिलान नहीं है। जिसके कारण Puja अति वर्चस्वशाली होगी तथा सिर्फ आज्ञा देने वाली होगी। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं तर्क-वितर्क का दौर चलता रह सकता है तथा दोनों के बीच कभी-कभी मार-पीट भी हो सकती है। Puja का आक्रामक व्यवहार परिवार के सभी सदस्यों का जीना दूभर कर सकता है। परिवार में सुख-शान्ति की स्थापना के लिए Male को उसकी हर बात माननी होगी तथा गुलाम की भाँति रहना पड़ेगा।

वश्य

Male का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Puja का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Male एवं Puja दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Male की तारा प्रत्यरि तथा Puja की तारा साधक है। Male की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत Male कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप Puja को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

Male की योनि महिष है तथा Puja की योनि वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से

कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Male का राशि स्वामी Puja के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Puja का राशि स्वामी Male के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Male का गण देव तथा Puja का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Puja अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Male से Puja की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Puja से Male की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Male अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Puja सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि

जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

Male की नाड़ी अन्त्य है तथा Puja की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Male की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा Puja की राशि अग्नि तत्व युक्त धनु राशि है। अग्नि और वायु तत्व में नैसर्गिक मित्रता होने के कारण Male और Puja में स्वभावगत समानताएं विद्यमान रहेंगी जिससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Male की राशि का स्वामी शुक्र तथा Puja की राशि का स्वामी गुरू परस्पर शत्रु तथा समराशियों में स्थित है। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से Male और Puja के मध्य अनावश्यक मतभेद तथा विरोध का भाव रहेगा जिससे परस्पर संबधों में तनाव उत्पन्न होगा। वे एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे यद्यपि Puja का इसमें सहयोग नगण्य रहेगा परन्तु Male के द्वारा समस्याएं होती रहेंगी। अतः Male और Puja को बुद्धिमता पूर्वक परस्पर संबंध रखने चाहिए।

Male और Puja की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों न्यूनता आएगी तथा परस्पर सौहार्द पूर्ण संबंध स्थापित करने के लिए Male और Puja तत्पर रहेंगे । वे एक दूसरे की कमियों की अपेक्षा गुणों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे जीवन में सुख शांति एवं सन्तुष्टि में वृद्धि होगी तथा आपस में सहयोग तथा सहानुभूति का भाव भी विद्यमान रहेगा।

Male और Puja दोनों का वश्य मानव है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियां समान रहेंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं समान रहेंगी । अतः दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

Male का वर्ण शूद्र तथा Puja का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Male किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे परन्तु Puja पराक्रमी एवं साहसिक कार्यो को करने में तत्पर रहेंगी।

धन

Male और Puja की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Male और Puja की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Puja एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सटटे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना

जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Male की नाड़ी अन्त्य तथा Puja की नाड़ी मध्य है। अतः इन पर नाड़ी दोष का कोई प्रभाव नहीं होगा तथा स्वास्थ्य इस ओर से सामान्य रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से Male का स्वास्थ्य प्रभावित होगा एवं समय समय पर वे हृदय रोग संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे। साथ ही पित या रक्त संबंधी कष्ट की भी अनुभूति होगी। धातु संबंधी रोगों का भी Male पर प्रभाव रहेगा एवं संभोग क्रिया में भी उन्हें शिथिलता का आभास होगा जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न हो सकती है। अतः उपरोक्त दोषों में न्यूनता लाने के लिए Male को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए। इसके अतिरिक्त मूंगा धारण करना भी Male के लिए श्रेयस्कर रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Male और Puja का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Male और Puja के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Puja के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Puja को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Puja को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Male और Puja सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Male और Puja का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Puja के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही Puja सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में Puja को काफी परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि Puja धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति

प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से Puja के संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही Puja ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

Male के सास के साथ सामान्यतया अच्छे ही संबध रहेंगे तथा उनके प्रति इनके मन में सम्मान तथा आदर का भाव सर्वदा विद्यमान रहेगा। सास को वह माता के समान समझेंगे तथा वह भी उन्हें पुत्रवत स्नेह तथा सहयोग प्रदान करेंगी । साथ ही Male भी समय समय पर ससुराल में आते जाते रहेंगे तथा आपस में श्रेष्ठता के भाव की हमेशा न्यूनता रहेगी।

लेकिन ससुर के साथ में सामान्यतया संबधों में तनाव रहेगा तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण वैचारिक मतभेद भी रहेंगे परन्तु यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति का अनुपालन करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी Male के संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की न्यूनता रहेगी एवं प्रतिद्वन्दिता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण Male के प्रति विशेष उल्लेखनीय नहीं रहेगा।